(52)

108/24 IV

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

25 APR 2024 प्रयागराज

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AK 919077

अन्तर्राष्ट्रीय विश्वकर्मा महाशक्ति पीठ न्यास (ट्रस्ट) पत्रक

प्रस्तावना :—भगवगत भाव से मैं स्वामी दिलीप योगीराज पुत्र स्व0 ईश्वर विश्वकर्मा वार्ड नं0 50 नई झूंसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश। मो० 9453109161

वर्तमान का पता अन्तर्राष्ट्रीय विश्वकर्मा महाशक्तिपीठ वार्ड नं0 50 नई झूंसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, भारत। जो पश्चात न्यास (ट्रस्ट) के संस्थापकः अध्यक्ष : न्यासकर्ता अन्तर्राष्ट्रीय पीठाधीश्वर के रूप में हूँ। आज गुरुवार दिनाक 29.08.24 को स्वेच्छा एवं स्वस्थचित्त मन से विश्व एवं भारत के भूमि तीर्थराज संगम प्रयागराज, उत्तर प्रदेश से प्रथम बार परम पिता परमात्मा विश्वकर्मा शक्ति पीठ न्यास की घोषणा का निष्पादन कर रहा हूँ। आज से अन्तर्राष्ट्रीय विश्वकर्मा महाशक्ति पीठ न्यास के संस्थापकः के रूप में मुझे मान्यता दी जायेगी और पदेन मैं पीठाधीश्वर के पद का आजीवन निर्वहन करूंगा।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

09 AUG 2024

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

GL 891446

मेरे आराध्य देव परम पिता परमात्मा परम पूजनीय विश्वकर्मा जी की परम अनुकम्पा एवं उनके आर्शीवाद से आदि गुरू शंकराचार्य के गुरू परम्परा के सम्मान में महाशक्तिपीठ के सर्वांगीण विकास के साथ–साथ विश्वकर्मा परिवार के उत्थान में आदि सनातन धर्म जन कल्यानार्थ, परोपकार धर्म एवं नैतिक मूल्यों के धर्म प्रचार–प्रसार में समर्पित कर दिया है। वैदिक धर्म तथा भारतीय–संस्कृतिक, संस्कार और सभ्यता का पुनद्धार करके भारत और विश्व के मानव सदबुद्धि विचार विश्व वैदिक धर्म महायज्ञ, प्रवचन, श्री विश्वकर्मा महापुराण, सम्मेलन जागृति एवं महा–समन्वय मार्ग पर सत्य और विश्वास को धारण कर संचालित करने के लिए इस महापीठ के प्रति स्थापित की जाती है, मेरे शरीर के त्याग के पश्चात मेरे

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (3) GL 891447

शिष्य सुबोध कुमारा राणा के हाथ दिया जाये एवं प्रबन्ध कर धर्म प्रचार–मानव कल्याण, सभी चीजों का सदुपयोग सुनिश्चित होना चाहिए। उपरोक्त राशि न्यास (ट्रस्ट) कोष के रूप में उसकी स्थायी सम्पत्ति होगी, जो न्यास (ट्रस्ट) के बैंक खाते एस0बी0आई0 में 5,000/–रू0 स्थायी रूप से जमा रहेगी। न्यास में अधिकतम तीन आजीवन न्यासी होंगे। (1) पीठाधीश्वर–सन्त स्वामी दिलीप योगीराज (2) महासचिव – सुबोध कुमार राणा (3) सचिव – डा0 आलोक विश्वकर्मा आजीवन न्यासी पीठ के होगा।

इस महाशक्तिपीठ का संशोधन करने हेतु अब पंजीकृत संस्था 133/2013 एवं 255/2013 और 72/2015 का महत्व न देकर अब संशोधन करने के बाद पीठ का नया पंजीकृत संख्या का महत्व एवं विस्तारीगण का मान्यता होगा। न्यास की विधिक प्रतिबद्धता, भारतीय न्यास अधिनियम–1882 के अधीन समस्त नियम, उपनियम लागू होगा जो न्यास के संचालन के लिए आवश्यक होगा। न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप एवं विधि मान्य है। न्यास उनके पालन हेतु प्रतिबद्ध है।

(1) न्यास/पीठ (ट्रस्ट) का नाम :– अन्तर्राष्ट्रीय विश्वकर्मा महाशक्तिपीठ नगर निगम वार्ड नं0 50 प्रतिष्ठानपुरी पूरे सूरदास झूंसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश भारत विश्व होगा।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

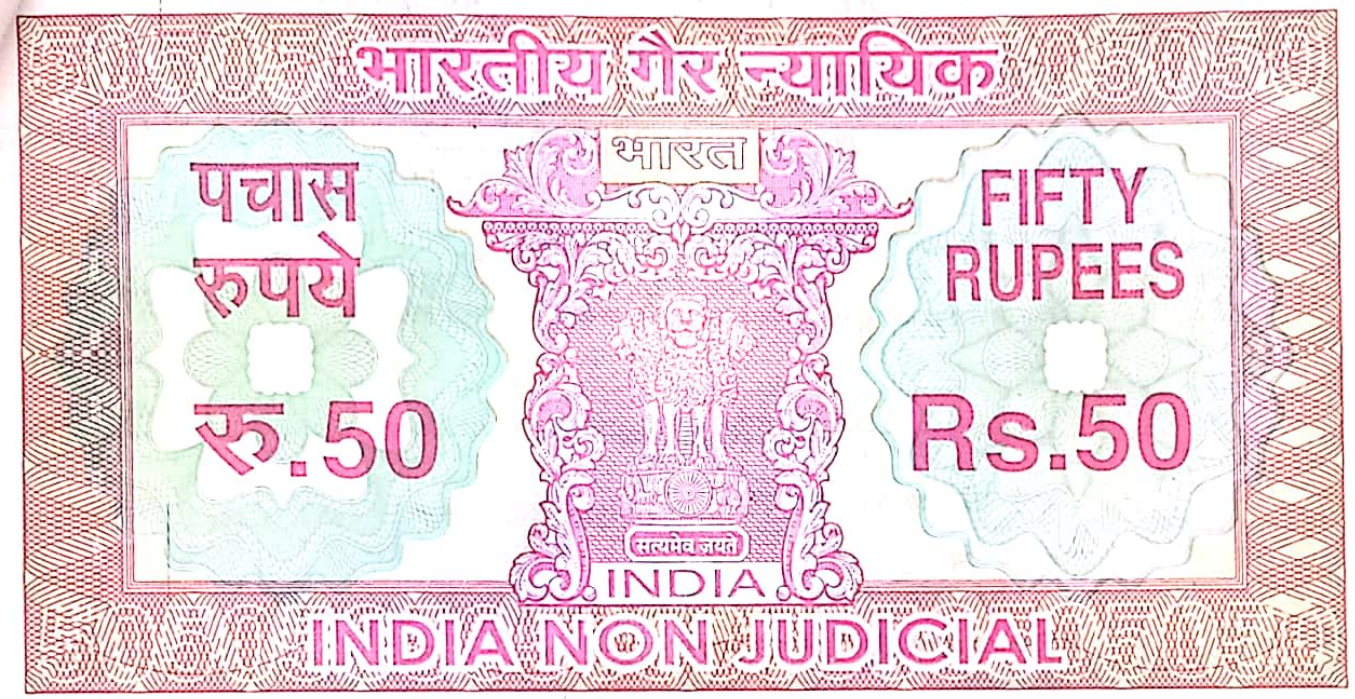

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (4) CN 796766

(2) धर्म दण्ड एवं लोगों :– धर्म दण्ड के रूप में त्रिशूल और औजार तथा लोगो गज और गोनिया रहेगा।

(3) पीठ का मुख्यालय आश्रम :–नगर निगम वार्ड नं0 50 पूरे सूरदास प्रतिष्ठानपुरी झूंसी, तहसील फूलपुर, जिला प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, भारत इस पीठ का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण भारत एवं विश्व में होगा।

(4) न्यासकर्ता :– अन्नत श्री विभूषित जगद्गुरू विश्वकर्मा – शंकराचार्य सन्त स्वामी दिलीप योगीराज झूंसी, प्रयाग।

(5) महाशक्तिपीठ का उद्देश्य :–

1. वैदिक सनातन धर्म का प्रचार, प्रसार करना।
2. भगवान विश्वकर्मा को इष्ट मानकर सभी कार्यों को करना।
3. मानव सेवा, साधु, सन्त, महात्माओं, संगठन, जन कल्याण करना।
4. वैदिक धर्म महायज्ञ करना।
5. भगवान विश्वकर्मा यज्ञ और विश्वकर्मा पुराण चर्चा करना।
6. धार्मिक मंदिर/धर्मशाला का एवं समस्त विश्वकर्मा मंदिरों को एकीकरण करना।
7. भगवान विश्वकर्मा पुस्तकालय का निर्माण करना।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

पुष्टि विलेख 58,59

...माक ....716.... तिथि 28.8.2024

...ल्य ....प्रयोजन ....

आवेदन सं०: 202400889015012

...य क्रेता का नाम .... [illegible]

...सी ....

...य विक्रेता : सिद्धा... सिंह

बही स०: 4 रजिस्ट्रेशन सं०: ... प्रयागराज वर्ष: 2024

...०-603 अवधि 2... तक! हस्ताक्षर

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमुन व प्राप्त धनराशि रु प्रलेखानुसार उक्त

न्यासी: 1

श्री स्वामी दिलीप योगीराज, पुत्र श्री स्व0 ईश्वर विश्वकर्मा

निवासी: वार्ड नं0 50 नई झूंसी प्रयागराज

व्यवसाय: अन्य

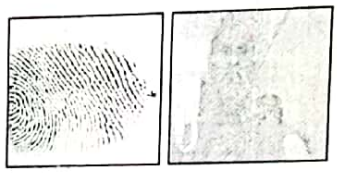

ने निष्पादन स्वीकार किया । जिनकी पहचान

पहचानकर्ता : 1

श्री प्रताप बहादुर सिंह , पुत्र श्री रतीपाल सिंह

निवासी: वार्ड नं0 2 पूरे सरदास मुंशी का पूरा झूंसी फूलपुर प्रयागराज

व्यवसाय: अन्य

पहचानकर्ता : 2

श्री हरिश्चन्द्र शर्मा , पुत्र श्री विश्वनाथ

निवासी: लेखराजपुर झूंसी तहसील फूलपुर प्रयागराज

व्यवसाय: अन्य

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

ने की । प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठें नियमानुसार लिए गए है ।

टिप्पणी :

अम्बुज त्रिपाठी प्रभारी
उप निबंधक : फूलपुर
प्रयागराज
12/09/2024

मोहित पाल .
निबंधक लिपिक प्रयागराज
12/09/2024

फूलपुर ... उत्तर प्रदेश

प्रिंट करें

Scanned with CamScanner

8. विश्व के सभी विश्वकर्मा संगठनों को कार्यकार्यकारिणी का गठन करना।

9. वृद्धा आश्रम व अनाथालय का निर्माण करना।

10. गौशाला का निर्माण करना।

11. मां गंगा की सफाई एवं गंगा का जल हमेशा स्वच्छ रहे।

12. संस्कृत वेद विद्यालय भवन निर्माण करना।

13. आयुर्वेदिक चिकित्सा शोध केन्द्र इलाज का निर्माण करना।

14. धार्मिक स्थलों पर जन कल्याण शिविर लगाना।

15. नारी एवं साध्वी समाज संगठन बनाना।

16. जगद्गुरू विश्वकर्मा शंकराचार्य/महामण्डलेश्वर, मण्डलेश्वर, महन्थ पद को बनाने का कार्य किया जायेगा।

(6) **महाशक्तिपीठी न्याय की आय :–** पीठ की आय स्थायी कोष अनुदान जनप्रतिनिधियों द्वारा सहायता राशि उदार व्यक्तियों द्वारा प्रदत्त चल, अचल सम्पत्ति होगी तथा खर्च के रूप में पीठाधीश्वर को पूर्ण अधिकार होगा तथा धनराशि का उपयोग करने का पीठ न्यास के कार्यों के उद्देश्य पूर्ति में किया जायेगा।

इस न्यास पीठ के निम्नलिखित न्यासी होंगे जो प्रबन्धकारिणी मण्डल के नाम से जाने जायेंगे, उनके पद और नाम इस प्रकार हैं :--

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

क्र0 सं0	नाम	पदनाम	व्यवसाय	पता
1.	अन्नत श्री विभूषित जगदगुरू विश्वकर्मा शंकराचार्य सन्त स्वामी दिलीप योगीराज	संस्थापकः अध्यक्षः पीठाधीश्वर	धर्म प्रचारक	पूरेसूरदास वार्ड नं0 50 झूंसी, प्रयागराज
2.	सुबोध कुमार राणा	महासचिव :	मानव सेवा	ग्राम भोला विगहा, पो0 दोना भाया, हिसुआ, जिला नवादा (बिहार)
3.	सुबोध कुमार राणा	कोषाध्यक्ष :		
4.	डॉ0 आलोक विश्वकर्मा	सचिव प्रशासनिक	मानव सेवा	मटियारा रोड अलोपीबाग, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
5.	साध्वी गीता देवी	उपाध्यक्ष :	मानव सेवा	ग्राम भोला विगहा, पो0 दोनो, भाया, हिसुआ, जिला नवादा (बिहार)
6.	विश्वकर्मा शंकराचार्य सन्त डा0 रामप्रकाश शर्मा	पीठाधीश्वर उत्तर प्रदेश	धर्म प्रचारक	ए0टू0 कालोनी मेरठ उत्तर प्रदेश।
7.	विश्वकर्मा शंकराचार्य सन्त योगी मौनी नाथ	पीठाधीश्वर उत्तराखण्ड	धर्म प्रचारक	मोहनपुरा, रूडकी हरिद्वार।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

8.	इन्द्र बहादुर विश्वकर्मा	विधि सचिव	मानव सेवा	ग्राम चकिया साथर, पो0 मंडवा बाजार हण्डिया, प्रयाग।
9.	मनोज गुप्ता	विधि सचिव	मानव सेवा	19/6 करेलाबाग कालोनी, प्रयागराज

(7) न्यास का स्वरूप :–

यह न्यास सम्पूर्ण भारत एवं विश्व में अवैधानिक लाभकारी, गैर सरकारी व गैर राजनीतिक एवं स्वैच्छिक संगठन है, जो मानव, धर्म, जाति, सम्प्रदाय व राजनीतिक से ऊपर उठकर जनहित में एवं लोकहित में कार्य करेगी।

(8) लाभ ग्रही समुदाय :–

हिन्दू, सिख व समस्त जाति धर्म के लोग का बिना किसी भेदभाव के सामान्य कल्याण एवं विकास में सहायक, समस्त बराबर के लिए कार्य करेगी।

(9) लाभ ग्राही व्यक्ति :–

न्यास द्वारा किसी भी प्रकार का कोई लाभ किसी व्यक्ति विशेष के लिए नही होगा, बल्कि सभी प्रकार के लोगों के जनकल्याण, धार्मिक संस्था का विकास व लोकहित के लिए कार्य करेगी।

(10) 1– अध्यक्ष :–पीठाधीश्वर का अधिकार।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

(11) 2– महासचिव का अधिकार।

संस्थापक : अध्यक्ष : पीठाधीश्वर के अधिकार एवं कर्त्तव्य :– अन्नत श्री विभूषित जगद्गुझा विश्वकर्मा शंकराचार्य सन्त स्वामी दिलीप योगीराज जिन्होंने न्यास में प्रारंभिक दान दिया है वे इस न्यास के प्रथम ट्रस्टी भी हैं तथा ट्रस्टियों के साथ–साथ मिलकर न्यास के उद्देश्यों के अनुसार चौतरफा चेरिटेबल कार्य करेंगे। वे इस न्यास के प्रथम ट्रस्टी व न्यास के अधिकार, अध्यक्ष जी के पास रहेंगे। बैंक में रूपया जमा करना और स्वयं निकाशी करने का अधिकार रहेगा। वे इस न्यास के आजीवन अध्यक्ष बना रहेंगे, उन्हें उनकी इच्छा के विपरीत अध्यक्ष पद से हटाया नहीं जा सकता और न ही अध्यक्ष के चुनाव की परम्परा रहेगी।

प्रस्ताव–

(1) कार्यकारिणी ट्रस्टियों की सभा की अध्यक्षता की जिम्मेदारी अध्यक्ष जी भी होगी।

(2) न्यास के अध्यक्ष व महासचिव उपाध्यक्ष न्यास से किसी भी ट्रस्टी को भले ही वे स्थायी हो या अस्थायी उन्होंने कभी भी अध्यक्ष के आदेश पर अध्यक्ष की जगह कार्य करेगी।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

(3) अध्यक्ष जी की कभी तबियत खराब होने पर न्याय का कार्यभार उपाध्यक्ष एवं महासचिव प्रभारी के रूप में न्यास का कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे।

(4) किसी भी न्यास का कार्यक्रम को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव ही अनिवार्य होंगे।

(5) न्यास के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव न्यास के ट्रटियों को न्यास से सम्बंधित कार्यों के लिए आवश्यक मार्ग दर्शन व दिशा–निर्देश देंगे।

(6) न्यास की सम्पतित पर अधिकृत रहकर उसकी देखरेख करना, न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए न्यास की सम्पत्ति का उपयोग करना व कराना।

(7) कभी भी कोई भी कानूनी विवाद होने पर ट्रस्टी की तरफ से कानूनी नोटिस इत्यादि पर हस्ताक्षर करना एवं अन्य पक्षों द्वारा जारी कानूनी नोटिस जारी होने पर उन्हें प्राप्त करना। कोर्ट में ट्रस्ट का प्रतिनिधि करना अथवा ट्रस्ट का प्रतिनिधि नियुक्त करना व कराना।

उपाध्यक्ष के अधिकार एवं कर्त्तव्य :–

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

(13) 1– अध्यक्ष के अस्वस्थ या किसी कारण बस अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष अध्यक्ष का पद का कार्य भार संभालेंगे। उपाध्यक्ष स्थायी आजीवन ट्रस्टी होंगे। इनके पद से हटाया नही जा सकता।

महासचिव के अधिकार एवं कर्त्तव्य :–

कर्त्तव्य की अवधारणा अधिकार की अवधारण की पूरक हैं। किसी विशेष कार्य को करने या न करने के संबंध में व्यक्ति के उत्तरदायित्वों को पालन करना अर्थात सगठन समाज और राज्य, देश द्वारा व्यक्ति से जिन कार्यों को करने की अपेक्षा की जाती है, न्यास का समुचित कार्यक्रमों को प्रबन्ध करने की जिम्मेदारी आय–व्यय का पूरा न्यास ट्रस्ट का लेखा–जोखा का प्रभार महासचिव का होता है। महासचिव, अध्यक्ष के मार्गदर्शन पर कार्य करता है। महासचिव सुबोध कुमार राणा न्यास के आजीवन स्थायी ट्रस्टी होंगे। इनके पद से हटाया नही जा सकता। महासचिव का अधिकार।

(14) (1) अध्यक्ष के मार्गदर्शन पर बैंक से आय और व्यय का कार्य कर सकते हैं। समस्त देश और विदेशों में संगठन का कार्य भार का प्रबन्ध करना और कराना इनके जिम्मे होंगे। महासचिव अध्यक्ष के बाद दूसरा पावर फूल पद है। सारी जिम्मेदारी अध्यक्ष के मार्ग दर्शन पर करना पड़ता है।

(2) कार्यकारिणी की सभा एवं आम सभा बुलाना एवं उनका संचालन करना, महासचिव का काम है।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

(15) वित्त सचिव (कोषाध्यक्ष) के अधिकार एवं कर्त्तव्य :–

(1) कोषाध्यक्ष ट्रस्ट न्यास के आय–व्यय का लेखा–जोखा रखेगा, हिसाब रखेंगे।

(16) संस्थापक : अध्यक्ष : उपाध्यक्ष, महासचिव : ट्रस्टियों का कार्यकाल जीवन पर्यन्त रहेगा। वे जब तक जीवित रहेंगे, अपने पद पर बना रहेगा। संस्थापक : ट्रस्टियों की मृत्यु के बाद उनकी वसीयत के अनुसार मनोनीत किया जायेगा, उपरोक्त प्रकार से चयनित या मनोनीत ट्रस्टी को वर्तमान मुख्य ट्रस्टियों के समान ही सभी अधिकार प्राप्त होंगे।

(17) ट्रस्टियों का कार्यकाल अस्थाई सदस्यों का कार्यक्रम 3 वर्ष का होगा। 3 वर्ष पर अच्छा कार्य करने पर पुनः पद पर बना दिया जायेगा, प्रक्रिया द्वारा।

(18) न्यास निधि :–

न्यास ट्रस्ट की निधि भविष्य में दान प्राप्त कर एवं 5100/–रूपये एस0बी0आई0 बैंक में खाते में जमा रहेगी जो न्यास की प्रारंभिक निधि है। बैंक एस0बी0आई0 का ट्रांजेक्शन का भार संस्थापक : अध्यक्ष : के पास रहेगा, जिसे चाहे लेन–देन कर सकते हैं, उनके आदेश पर महासचिव भी कर सकते हैं।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

(2) महासचिव, वित्त सचिव हमेशा न्यास के आय–व्यय के समुचित लेखा (हिसाब) किताब बनाकर न्यास का रजिस्टर में अंकित कर मुख्य कार्यालय में रखेंगे।

(19) न्याय का लेखांकन बैठक, प्रतिवर्ष एक बार होगा जो 1 अप्रैल 31 मार्च होगा।

(20) **न्याय के बैंक खाते –**

न्यास अपने धन को सुरक्षित रखने के लिए तीन सदस्यो के नाम से होगा, अध्यक्षः अकेले बैंक से स्वयं जमा और निकाशी करेंगे, उनके आदेश पर महासचिव और कोषाध्यक्ष भी निकाशी करेंगे।

न्यास के बैंक खातों में संचालन में मुख्य रूप से अध्यक्ष के साथ–साथ सह हस्ताक्षर महासचिव का कोषाध्यक्ष के रहेंगे। अध्यक्ष स्वयं निकाशी करेंगे, लेकिन महासचिव व कोषाध्यक्ष को निकालने में अध्यक्ष और महासचिव का हस्ताक्षर से निकाशी होगी। अध्यक्ष बैंक से निकाशी करने में स्वयं का ही हस्ताक्षर रहेगा।

(21) अतः आशा और पूर्ण विश्वास है कि अन्तर्राष्ट्रीय विश्वकर्मा महाशक्तिपीठ संपूर्ण विश्व में सदस्य और दान लेकर सभी मानव का जगत कल्याणार्थ में कार्य करेंगे। सभी पद साधु, सन्त का पद से सुशोभित करने का कार्य भी रहेंगे।

स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

Scanned with CamScanner

(22) न्यास का समाधान :–

आवश्यकता होने पर सदस्यों के बहुमत से अथवा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव केवल तीनोंकी कमिटी से न्यास का समाधान किया जायेगा। न्याय के समापन के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभासचिव की अनुमति आवश्यक होगी।

न्यास पत्रक को बनाने में पूर्ण सावधानी बरती गयी है, यदि किसी भी प्रकार की त्रुटि होती है तो उसे विवेकानुसार मूल रूप में समझा जायेगा।

दिनांक–19/08/2024 ई०

ह0 मुख्य ट्रस्टी
स्वामी दिलीप विश्वकर्मा

गवाह–1 प्रताप बहादुर सिंह रती पाल सिंह
पूरे सूरदास मुन्सी पुरवा झूसी
फूलपुर प्रयागराज आधार नं० xxxx 4935
मो० नं० 8369676757

फोटो

गवाह–2
हरिश्चन्द्र शर्मा S/o स्वा० विश्वनाथ
ग्राम- लाक्षराजपुर झूँसी प्रयागराज 2748
आधार नं० xxxx 2748 मो० नं० 9452141229

फोटो

मसविदाकर्ता–
अरविन्द लाल विश्वकर्मा एडवोकेट
तहसील फूलपुर प्रयागराज

आवेदन सं०: 202400889015012

बही संख्या 4 जिल्द संख्या 108 के पृष्ठ 365 से 390 तक क्रमांक 108 पर दिनाँक 12/09/2024 को रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

अम्बुज त्रिपाठी प्रभारी
उप निबंधक : फूलपुर
प्रयागराज
12/09/2024

प्रिंट करें

Scanned with CamScanner